# उद्योगों को तकनीक उपलब्ध कराएगा आईआईटी बीएचयू

**वाराणसी (एसएनबी)।** भारतीय प्रौद्यागिकी संस्थान (आईआईटी) बीएचयू के डायरेक्टर प्रो. पीके जैन ने कहा कि बीएचयू आईआईटी वाराणसी के साथ देश में अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी की शिक्षा में सौ वर्ष का इतिहास जुड़ा है। बीएचयू अपनी शताब्दी वर्ष में है। यह संस्थान अपनी स्थापना काल से ही समृद्ध भारतीय समाज के निर्माण के लिए दृढ़ संकल्पित है, परंतु पूर्वांचल जहां प्राकृतिक संसाधनों के साथ ही प्रशिक्षित मानव संसाधन भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, आज देश के पिछड़े क्षेत्रों में गिना जाता है। आवश्यक है कि आईआईटी बीएचयू वाराणसी क्षेत्र के सूक्ष्म, लघु, मध्यम तता हैंडीक्राफ्ट आदि के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले तथा उनकी तकनीकी समस्याओं का यथा संभव समाधान करने के साथ ही उन्हे नयी तकनीक भी उपलब्ध कराये। प्रो. जैन बुधवार को संस्थान के कांफ्रेस हाल में पत्रकारों से बातचीत में उक्त बातें कही। प्रो. जैन ने कहा कि वाराणसी में विभिन्न उद्योग धंधे (कागज, प्लास्टिक, खाद्य प्रसंस्करण, मशीन औजार) के साथ विभिन्न प्रकार के हैंडीक्राफ्ट (बनारसी साड़ी, कालीन उद्योग, मोती, मीनाकारी, जरदोजी, लकड़ी के खिलौने) आदि फलफूल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बनारस भारत का अकेला ऐसा शहर है जहां करीब एकदर्जन भौगोलिक आधार पर नामित विशेष उत्पाद है। यह क्षेत्र विभिन्न तरह की तकनिकी समस्याओं से जूझ रहा है। अतः आईआईटी बीएचयूमें एक तीन दिवसीय संस्थान, उद्योग एवं समाज के संगम का आयोजन 31 अगस्त से दो सितम्बर तक किया जा रहा है।

राष्ट्रीय सहारा – 30.08.2018